ADITYA BIRLA
GRASIM

स्टेबल फायबर डिवीजन की केस स्टड़ी -

पिछले कुछ वर्षों में हमने सफलता की कुछ कहानियाँ बनाई हैं और मैं आपके साथ इसे एक केस स्टड़ी के रुप में साझा करना चाहता हूँ।

1. मोबाईल स्वास्थ सेवा पहल - एक परिचय

जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्वासथ्य एक महत्वपूर्ण कारक हैं। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा अस्वेच्छा स्वस्थ्य एवं अस्तित्व के लिए संघर्षत हैं । ग्रामीण भारत में आज भी 50 प्रतिशत आबादी गरीब के रुप में निवासरत हैं। यह अस्वच्छताए गंभीर बिमारी का बंडा संकटपूर्ण कारण भी हैं। ग्रामीण आज भी अपने स्वास्थ्य को दरकिनार कर ऊर्जा एवं उत्साह को पीछे छोड़कर अपनी आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करता हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के बिना किसी भी विकास कार्यक्रम को शुरु करना बहुत मुश्किल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार प्रत्येक 1000 व्यक्तियों पर एक चिकित्सक होना आवश्यक हैं। जबकि मध्यप्रदेश में कुल 17,192 व्यक्तियों पर एक चिकित्सक हैं। स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते दवाईयों का सही व्यक्तियों तक पहुँच पाना अंसभवत हैं। 65 प्रतिशत भारतीय पूरी तरह स्वास्थ्य सेवा वहन करने में असमर्थ होते हैं ओर ईलाज से जुड़े खर्च 57 मिलियन लोगों को गरीबी के गर्त में धकेल देते हैं। इस स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दे के स्थायी हल के लिए ग्रेसिम इण्डस्ट्रीज द्वारा मोबाईल स्वास्थ्य सेवा की पहल की गई हैं क्योंकि प्रबंधन यह दृढ़ता से स्वीकार करता है कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रत्येक व्यक्ति के लिये एक बुनियादी आवश्यकता हैं।

पृष्टभूमि -

यह कार्यक्रम वष© 2014-2015 में शुरु किया गया था और तब से लेकर अब तक मोबाईल स्वास्थ्य सेवा शिविर पहल के अंतर्गत 25,000 से भी अधि लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाकर 18 ग्रामों को अपनी सेवाएँ दे रही हैं। इस ग्रामीण क्षेत्रों में योग्य एवं अनुभवीं तथा शिक्षित चिकित्सक नही होने के कारण ग्रामीणजन अनुभवहीन चिकित्सकों के पास जाकर अपना ईलाज करवातें और स्वंय के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर बैठते हैं परिणामस्वरुप उनके स्वास्थ्य की स्थिति खराब होती चली जाती हैं। बेहतर सुधार की श्रेणी में ग्रेसिम उद्योग में मोबाईल हेल्थ कैंप की पहल के साथ आगे आया और योग्य तथा उच्च शिक्षित चिकित्सक के नेतृत्व में पेरामेडिकल स्टॉफ के साथ गाँव गाँव जा कर बेहतर चिकित्सीय सुविधाएँ उपलब्ध करवा रही हैं। टीम प्रत्येक आठ दिन में एक बार और माह में तीन बार ग्रामीण क्षेत्रों में दौराकर जरुयतमंद लोगों को चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रही हैं।

सुखदायी अनुभव श्री बापुसिंह जी

सितम्बर का महीना था

खुरमुण्डी गाँव में मानसून का आगमन हुआ। पिछले कुछ हफ्ते से किसान खुशी से झुम रहे थे। शनिवार को 70 वर्षीय किसान बापूसिंह पेजा करने गाँव के ही हनुमान मंदिर गए थे। इसी बीच एक सफेद रंग की एसयूवी गाड़ी गाँव के बीच ओ बीच आ कर रुकी।

जिसने आसपास के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। ग्रामीणजनों ने भी मोबाईल हेल्थ वाहन को घेर लिया और विशाल बरगद के पेड़ की छाँव के नीचे खड़े होकर टीम के काम में हाथ बटाने लगे।

टीम की सदस्य लता जी ने बिना समय गवाएँ एक एक कर मरीजों को बुलाकर उन्हें कतार में खड़ा किया। चिकित्सक के पास भेजने से पहले मरीज का नाम, उम्र एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या का उल्लेख रजिस्टर में किया। तभी एक किशोर बापूसिंह के पास मंदिर में गया और उन्हें अवगत करवाया गया कि अपने गाँव में डॉक्टर की टीम आ गई हैं। वही लता जी भी एक माह में तीसरी बार ग्रामीणजनों के स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बन संतुष्ट नजर आ रही थी। बापूसिंह नियमित रुप से अपनी अस्थमा एवं अन्य बिमारियों के लिए पूरे चेकअप के साथ दवाईयाँ ले रहें हैं। दवाईयों में डॉ ने एलोपैथी दवाएँ, कैल्शियम की गोली एवं आँखों में डालने वाले ड्रॉप की सूची राधाजी को दी, जिन्होने बॉक्स से दवाईयाँ निकाल कर बापूसिंह को सौंपी।

बापूसिंह ने इस मौके पर कहा कि अपने दरवाजे पर मुफ्त में इतनी उपयोगी दवाईयाँ देने पर मैं ग्रेसिम प्रबंधन का शुक्रगुजार हूँ। इस के पहले खुरमुण्डी के लोगों अपने ईलाज के लिए नागदा के निजी अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिसके लिए डॉक्टर के परामर्श, दवाएँ और आने जाने में कम से कम ५०० खर्च हो जाते थे। उन्होने कहा कि अब उन्हें स्वयं की चिकित्सा जरुरतों के बारे में चिन्ता नहीं करनी पड़ेगी। बापूसिंह ने मुस्कराते हुए कहा कि ग्रेसिम की इस पहल से वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को बहुत फायदा होगा। अब खांसी, बुखार, दस्त जैसी छोटी बिमारियों के लिए स्थानीय चिकित्सक के पास जाने के बजाय मोबाईल स्वास्थ्य चिकित्सक के पास जाना पसंद करते हैं क्योकि ग्रामीणों को अब एलोपैथी उपचार पर विश्वास होने लगा हैं।

नागदा मोबाईल स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम में एक सफल प्रयोग रहा है। जब मामूली और स्थायी बिमारियों के लिए या दीर्घकालीन बीमारियों के लिए मुफ्त में गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा हैं बेहतर उपचार के लिए इस तरह के प्रयासों की जरुरत निरंतर जारी रहेगी।

पॉजिटीव वर्ड ऑफ माउथ रेफरलेने से अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएँ ग्रेसिम न उपलब्ध करवाई हैं। लोग पूर्ण आत्मविश्वास से अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्याएं डॉक्टर से शेयर करते हैं। यह वर्षों के विश्वास का सुखद परिणाम हैं। अब चिकित्सा शिविर में नागदा के जनसेव अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों की भांति बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं एवं निर्धन ग्रामीणों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल हो पा रही हैं। इन प्रयासों से यकीनन संस्था की संगठनात्मक प्रतिष्ठा भी मजबूत हो रही है।

2. 250 गाँवों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करना -

जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण कारक हैं। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा अच्छी सेवा स्वास्थ्य एवं अस्तित्व के लिए संघर्षत हैं। ग्रामीण भारत में आज भी 50 प्रतिशत आबादी गरीब के रुप में निवासरत हैं। यह अस्वछताएं गंभीर बीमारी का बड़ा संकटपूर्ण कारण भी हैं। ग्रामीण आज भी अपने स्वास्थ्य को दरकिनार कर ऊर्जा एवं उत्साह को पीछे छोड़ छोड़कर अपनी आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करता हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के बिना किसी भी विकास कार्यक्रम को शुरु करना बहुत मुश्किल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार प्रत्येक 1000 व्यक्तियों पर एक चिकित्सक होना आवश्यक हैं जबकि मध्यप्रदेश में कुल 17,192 व्यक्तियों पर एक चिकित्सक हैं। स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते दवाईयों का सही व्यक्तियों तक पहुँच पाना असंभवसा हैं। 65 प्रतिशत भारतीय पूरी तरह स्वास्थ्य सेवाएँ वहन करनें में असमर्थ होते हैं और ईलाज से जुड़े खर्च 57 मिलियन लोगों को गरीबी के गर्त में धकेल देते हैं।

इस स्वास्थ्य सम्बन्धी महत्वपूर्ण मुद्दे के स्थायी हल के लिए ग्रेसिम इंडस्ट्रीज का ग्रामीण विकास विभाग एक अनूठी पहल के साथ आगे आया हैं क्योंकि प्रबंधन दृढ़ता से स्वीकार करता हैं कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक बुनियादी आवश्यकता हैं।

रणनीति एवं कार्यान्वयन दृष्टिकोण -

CSR को उच्चतम स्तर से समर्थन मिलता हैं। एक बोर्ड स्तर की समिति टीम को रणनीतिक मार्ग प्रदान करती हैं। यह नियमित रुप से प्रभावित नए क्षेत्रों की पहचान कर प्रगति की निगरानी करती हैं। प्रत्येक यूनिट स्तर पर एक अलग CSR विभाग हैं कार्यक्रमों और गतिविधियों को लागू करने की जिम्मेदारी लेता हैं। विभाग शीर्ष समिति द्वारा वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य करता हैं। उचित कार्य सरंचना उद्देश्यों का अनुपालन सुनिश्चित करती हैं। ग्रेसिम इण्डस्ट्रीज में भी एक CSR सेल हैं। इस सेल का नेतृत्व मानव संसाधन विभाग के उपाध्यक्ष करते हैं तथा ईकाई प्रमुख मेंटर की भूमिका का निर्वाह करते हैं, जबकि परियोजनाओं का सफल एवं प्रबंधन के साथ क्रियान्वयन हेतु टीम कार्य करती हैं।

परियोजना कार्यान्वयन की प्रक्रिया के लिए तैयार की गई प्रमुख रणनीति को निम्नानुसार संक्षेपित किया जा सकता हैं।

A. गाँवों का मॉडल और विकास का वर्गीकरण B. बॉटम अप दृष्टिकोण, योजना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन में समुदायों की भागीदारी
C. रणनीति भागीदारी के माध्यम से परिणामों के साथ एनजीओ और अन्य संस्थाओं के साथ साझा जिम्मेदारी D. शासकीय योजना से जुड़ना
E. सार्वजनिक निजी भागीदारी स्थिरता F. पर जोर देना - लघु अवधि के साथ लक्ष्यों को पूरा करना।